Read India Books
दूसरी पहेलियाँ
श्रीप्रसाद
RGF Pratham
SERIES
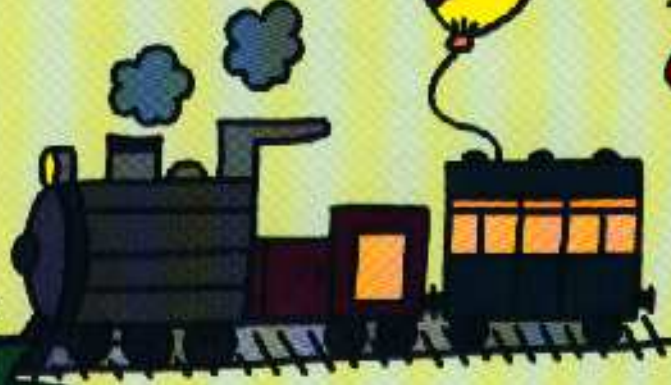
बच्चों! पहेलियों की यह किताब तुम्हारे लिए है। तुम्हें इन पहेलियों का उत्तर बताना है।

पहेली को एक बार नहीं, कई बार पढ़ो। पहेली में जो बातें लिखी हैं, उनके बारे में सोचो।
समझ में आया?

तो बताओ, क्या है इसका उत्तर? अब पन्ना पलटो। देखो, क्या तुम्हारा उत्तर सही है?

शाबाश! कोशिश करो, और कोशिश करो।

सिर के ऊपर तन कर

काली भूरी नीली है
लाल गुलाबी पीली है
बरसा यही बचाती है
धूप नहीं आ पाती है

रहती है सिर के ऊपर
फैली रहती है तन कर
सुन्दर सी है, जानो तुम
अपने सिर पर तानो तुम।

छतरी

हम बैठेंगे

एक गई, आ गई दूसरी
स्टेशन स्टेशन छू
कोयल की बोली में सीटी
मीठी आती कू

हम बैठेंगे, हम बैठेंगे
बैठो सब जल्दी
छुक छुक छुक छू , छुक छुक छुक छू
लो, वह तो चल दी।
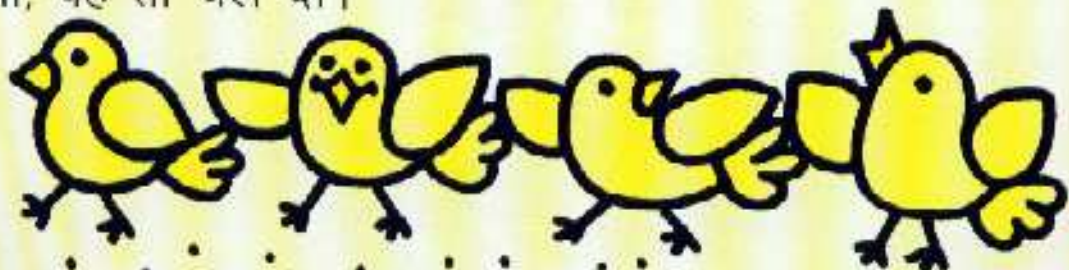
रेलगाड़ी
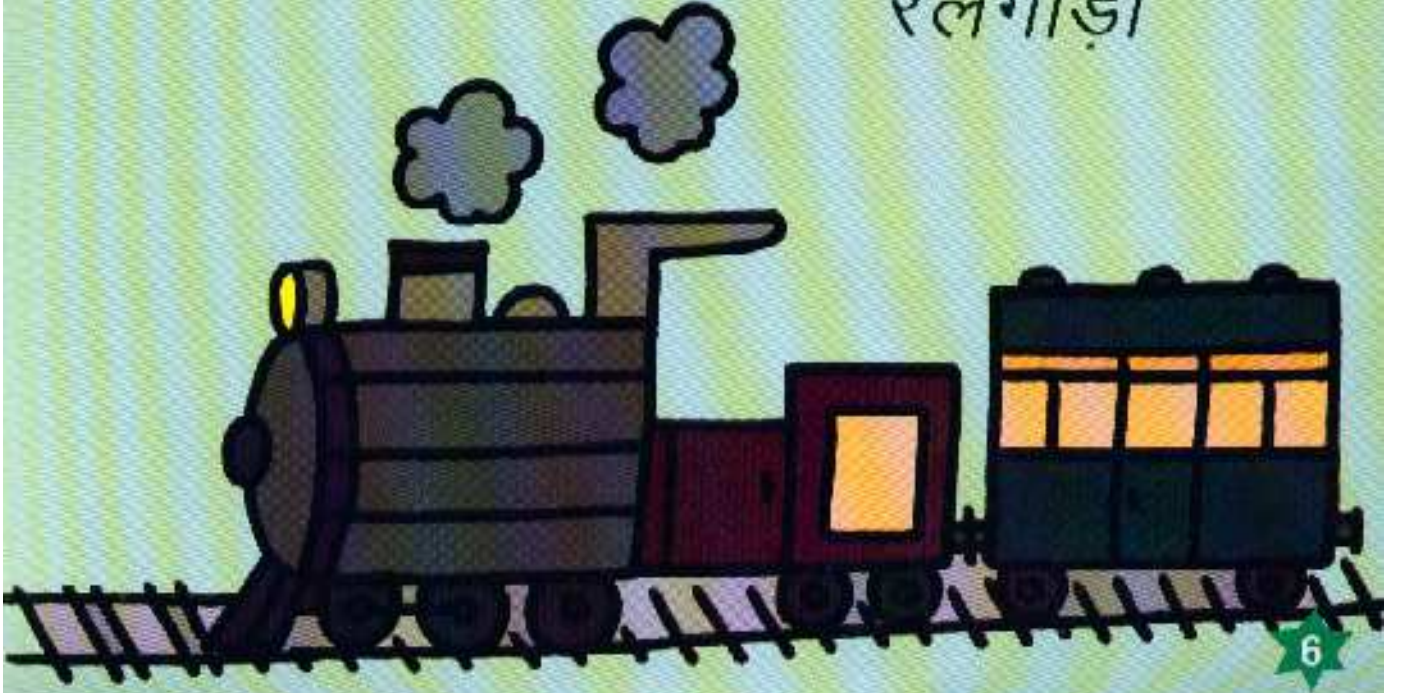
उड़ता-फिरता

दिया देह पर धरे हुए है
उड़ता फिरता इधर उधर
पंखों से रोशनी निकलती
एक किरन जैसी सुंदर

या मशीन है कोई, जिसको–
उड़ते हुए चलाता है
कभी रोशनी बुझा रहा है
या फिर कभी जलाता है।

जुगनू
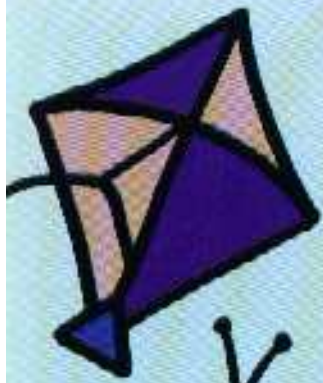
उड़ा जा रहा

ऊपर देखो उड़ा जा रहा
मुड़ा जा रहा अब ये
लेकिन वापस भी आएगा
मगर न जाने कब ये,

आसमान में उड़ जाता है
डैने कितने भारी
क्या चिड़िया है, अरे नहीं, यह
काफी बड़ी सवारी।

हवाई जहाज़

इसको पीते

कुओं में है, नदियों में है
तालाबों में भरा हुआ
जहाँ लगी है इसमें काई
वहाँ वहाँ यह हरा हुआ

इसको पीते, इससे जीते
शुद्ध रहे यह सदा मगर
इसमें ऊँची लहरें उठतीं
जाकर के देखो सागर।

पानी
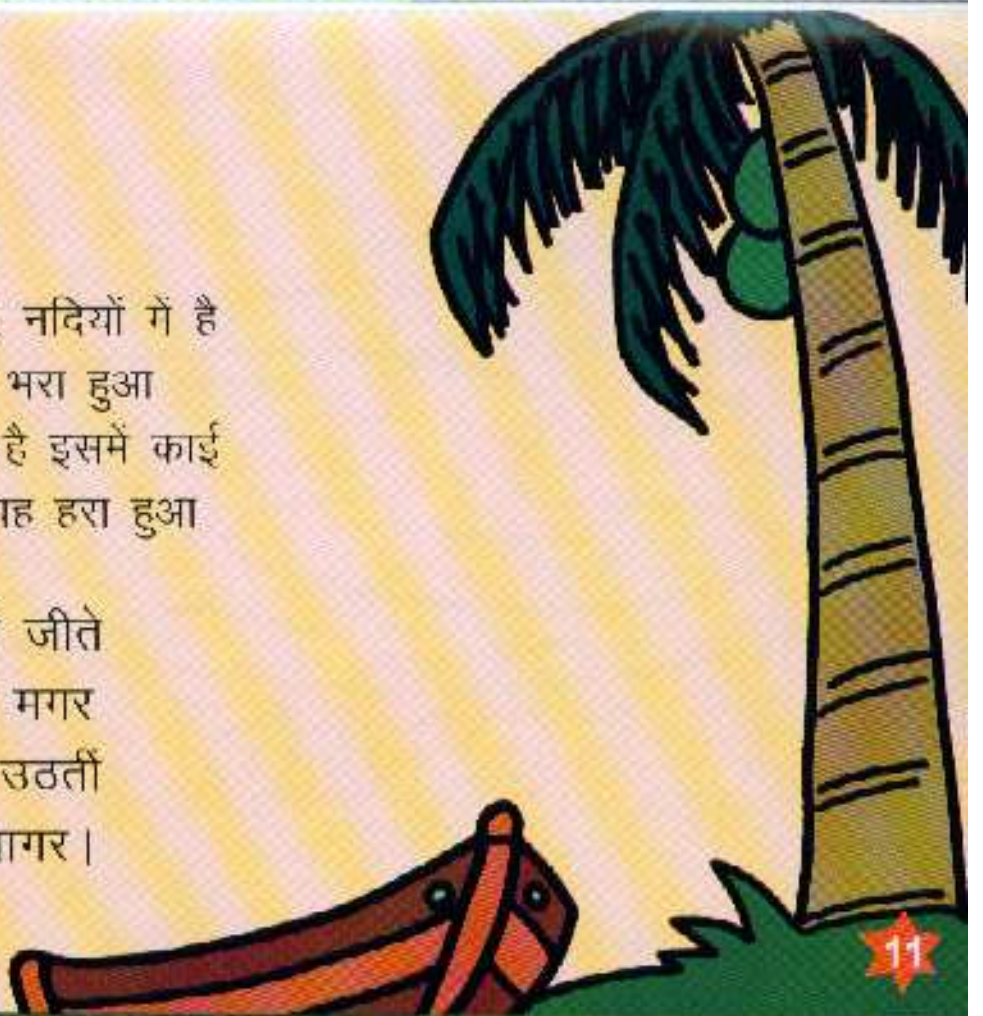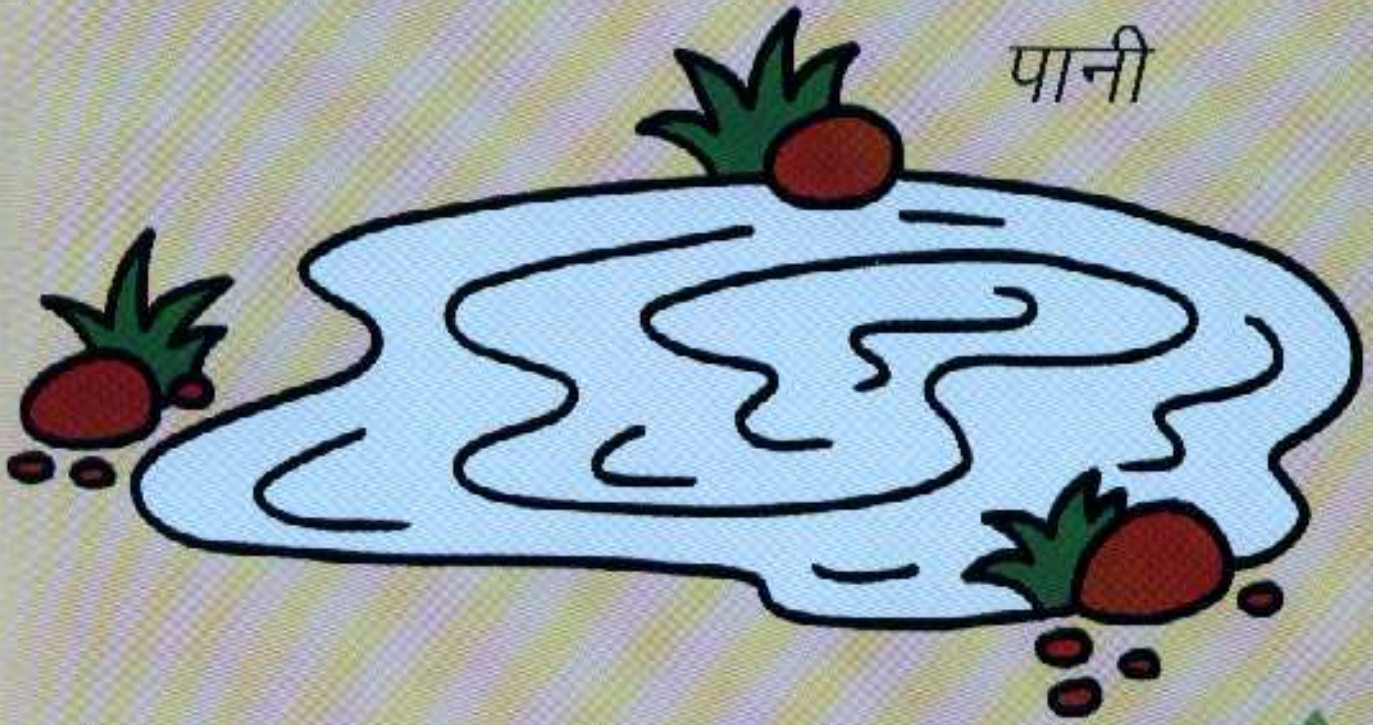
भागे हिरन

बन में गरजा बड़ी ज़ोर से
भागे सभी सियार
भागे हिरन चौकड़ी भरकर
डरकर झारमझार

बादल गरजा आसमान में
है ऐसी आवाज
पूरे वन में सब जीवों पर
इसका ही है राज।

शेर
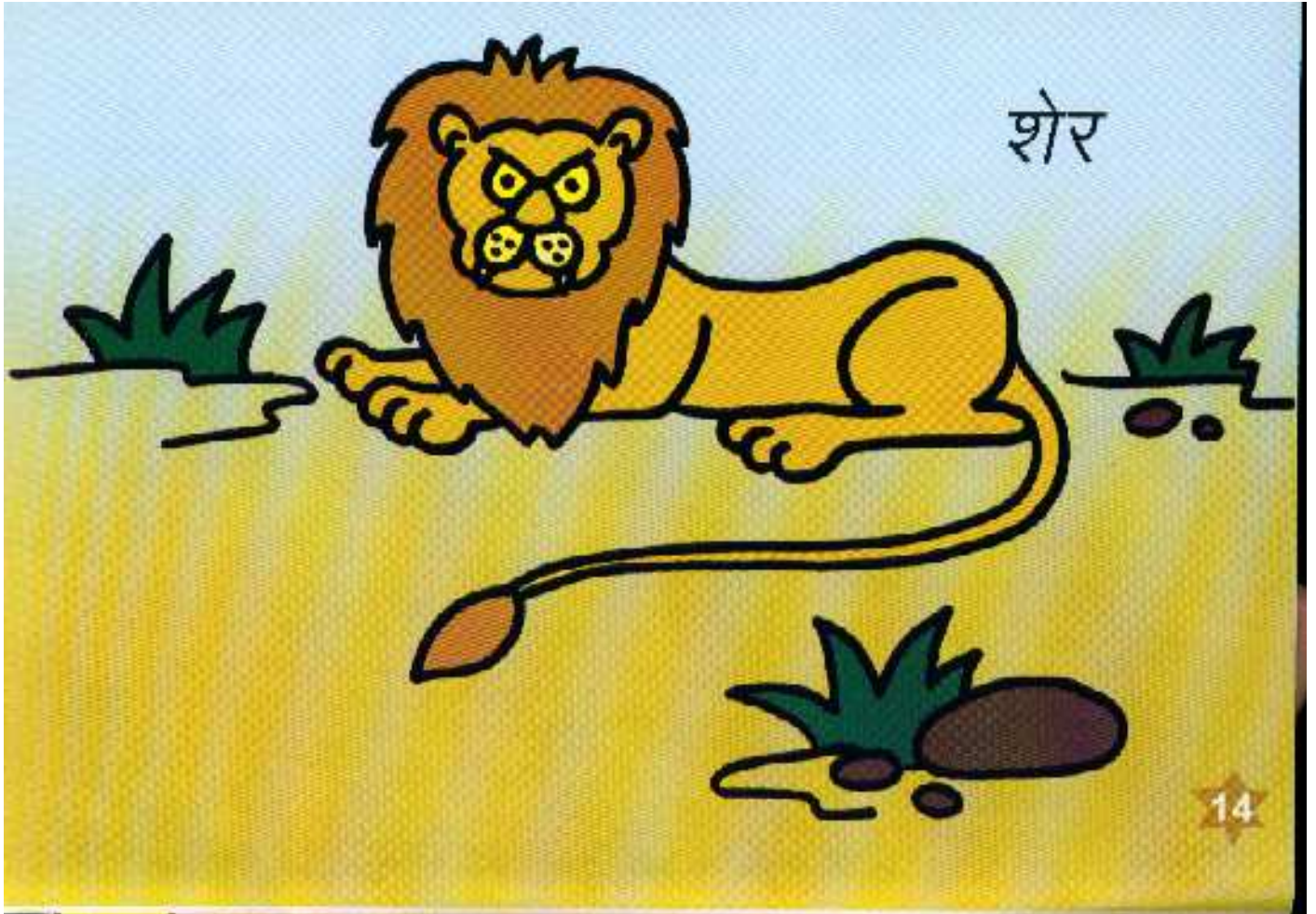
सी - सी

तोते बड़े चाव से खाते
हम खाएँ तो सी–सी
मगर मसाले में दादी ने
थोड़ी सी है पीसी

दादी कहतीं, तुम्हें लगेगी
अब अच्छी तरकारी
खाने पर तुम खूब बड़ाई
करना आज हमारी।

अपनी पसंद की कोई भी एक पहेली लिखो। उस पहेली से संबंधित चित्र बनाओ और उस चित्र में रंग भरो।